परिशिष्ट – ४

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत

द्वितीय वर्ष बी. कोम

(जून २००९ – २०१०, २०१०– २०११, २०११–२०१२ कै शैक्षाणिक वर्षों के लिए)

१. हिंदी अनीवार्य

१. अनबीता व्यतीत – कमलेश्वर (३५ अंक)

लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद

२. वाणिज्यिक पत्र–व्यवहार : (३५ अंक)

१. संप्रेषण - अ. परिभाषाएँ
   ब. प्रमुख प्रकार - भाषिक, मौखिक और लिखित,
   क. बैंकिंग और संप्रेषण
२. बीमा कंपनियों के पत्र
३. बेंकर के पत्र
४. आलेखन - १. तत्व, २. सरकारी कार्यालयों में आलेखन
५. टिप्पण - १. प्रकार, २. प्रमुख विशेषताएँ, ३. पत्राचार के रुप में टिप्पळी - लेखन
६. प्रारुपण - मुख्य अंक तथा विशेषताएँ
७. कम्प्यूटर : समामान्य परिचय ।

संदर्भ – पुस्तकें :

१. प्रामाळिक आलेखन और टिप्पण-विराज
२. प्रयोजनपरक हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् योगेन्द्र प्रताप सिंह
३. प्रयोजनमूलक हिंदीः पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण-प्रारुपण - डॉ. मधु धवन
४. व्यावसायिक संप्रेषण - डॉ. अनूपचंद्र भायाळी
५. बेंकिग - पत्र - व्यवहार - भारतीय रिजर्व बेंक
६. कम्प्यूटर - डॉ. सी. एल. गर्ग ।

.....